प्वाइंट्स– बाप कहते हैं कितने निर्मान बन गए हैं। यानी दुर्भाग्यशाली। बाप पदमपति बनाते हैं। इतना उंच बनाते हैं तो उनकी आज्ञा माननी चाहिए ना ;परंतु माया बुद्धि को ऐसा बिगार देती है , जो सुधरते ही नहीं। और ही बिगर जाते हैं। बाप मत तो बहुत अच्छी देते हैं ;परंतु तकदीर में न है तो उठा न सके। अच्छा, ओम। (9.3.68 प्रातः) ओमशांति।